संयोजन समिति

संरक्षक

1. श्री विनीत गोयल
   (सचिव, मॉडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज़)
2. श्री योगेश गर्ग
   (कोषाध्यक्ष, मॉडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज़)

संयोजिका

3. डॉ0 मिथिलेश दीक्षित
   (अध्यक्षा माधवी फाउंडेशन, लखनऊ)
4. डॉ0 निशा सिंह
   (प्राचार्या, मॉडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज)

सहसंयोजिका

5. डॉ0 रेखा शर्मा
   (शिक्षा विभाग, मॉडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज़)
6. डॉ0 किरन जोशी
   (शिक्षा विभाग, मॉडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज़)

आयोजन समिति

डॉ0 सुबोध बाला गुप्ता
डॉ0 धीरज सिंह
डॉ0 मंजू सिंह
डॉ0 कनक रानी
डॉ0 रचना कान्त
डॉ0 मनीषा सिंह
श्रीमती मोनिका बन्सल
कु0 नेहा बन्सल
श्रीमती हरीतिमा दीक्षित
श्रीमती रजनी कौशिक
श्रीमती सीमा
श्री आशीष सिंह
श्रीमती सोनी कटियार
श्रीमती आशा शर्मा
श्रीमती शिप्रा
श्री रवि कान्त वर्मा
श्री अरविन्द पाण्डेय
श्री अनुज कुमार शर्मा
श्री विजेन्द्र सिंह
श्री गौरव शर्मा
श्रीमती संगीता
श्रीमती कल्पना
कु0 शैली राना
श्रीमती निर्मला ढेक
कु0 नेहा सिंह

पंजीकरण प्रपत्र

नाम – .....

पद नाम – .....

विभाग एवं महाविद्यालय – .....

पता – .....

शोध पत्र का शीर्षक – .....

मोबाइल नं0 – .....

ई–मेल आई0डी0– .....

पंजीकरण शुल्क का विवरण – ऑन लाइन/नकद

दिनांक :– .....

हस्ताक्षर :– .....

ऑनलाइन भुगतान का विवरण

बैंक का नाम :– .....

दिनांक :– .....

यू0टी0आर0/संदर्भ सं0 :– .....

कार्यक्रम की रूप रेखा

08:00 AM TO 09:30 AM ---------- पंजीकरण
09:31 AM TO 10:30 AM ---------- उद्घाटन सत्र
10:31 AM TO 11:00 AM ---------- जलपान
11:01 AM TO 01:30 PM ---------- प्रथम तकनीकी सत्र
01:30 PM TO 02:00 PM ---------- भोजनावकाश
02:00 PM TO 04:30 PM ---------- द्वितीय तकनीकी सत्र
04:30 PM TO 05:00 PM ---------- समापन समारोह

मॉडर्न कॉलेज
ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज़

(चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ से सम्बद्ध)

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (IQAC Cell)
एवं
माधवी फाउंडेशन, लखनऊ (उ0 प्र0)
के संयुक्त तत्वावधान में
महात्मा गान्धी के 150 वें जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

'वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में महात्मा गान्धी के चिन्तन की प्रासंगिकता'

19 अप्रैल, 2020 ; दिन : रविवार

आनन्द औद्योगिक क्षेत्र, मोहन नगर, जिला–गाजियाबाद, उ0 प्र0
(मोहन नगर मेट्रो स्टेशन से मात्र 500 मी0 दूर)
फोन नं0 –0120 4900197 मेबाइल नं0 – 9711149573, 9711149575
वेबसाइटः– www.moderncollege.org
ई–मेलः– info@moderncollege.org

संस्था का परिचय

महाविद्यालय की स्थापना का श्रेय गाजियाबाद के कुछ प्रबुद्ध शिक्षाविदों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को जाता है जिन्होने अपने क्षेत्र में उच्च शिक्षा के संस्थान की आवश्यकता को महसूस करते हुए महाविद्यालय की स्थापना हेतु पहल की । इसी पहल के परिणाम स्वरूप महाविद्यालय की स्थापना सामाजिक संस्था 'गणेश शिक्षा समिति' के प्रयासों से 03 जुलाई, 2003 में सम्भव हुई । महाविद्यालय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा सैक्शन 2(f) एवं 12(B) के अर्न्तगत पंजीकृत है ।

मॉडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज़, आनन्द औद्योगिक क्षेत्र, मोहन नगर, जिला–गाजियाबाद, उ0 प्र0 में स्थित है । यह एक सहशिक्षा महाविद्यालय है जो चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ से सम्बद्ध है ।

बदलते समय, समाज व राष्ट्र की वर्तमान आवश्यकताओं को महाविद्यालय ने महसूस किया और निर्णय लिया ऐसे पाठ्यक्रमों के संचालन का जिसके माध्यम से समाज व राष्ट्र की नवीन आवश्यकताओं एवं बदलते परिदृष्य के अनुरूप आधुनिक, प्रबुद्ध व स्मार्ट शिक्षक, कुशल मैनेजर्स एवं टैक्नोक्रेट्स तैयार किये जा सकें जिससे राष्ट्र व समाज को सशक्त और समृद्ध बनाने मे उनकी महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित हो सके । इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय में शिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु तीन पाठयक्रमों क्रमशः एम0एड0, बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 साथ ही कुशल प्रोफेशनल तैयार करने के लिए बी0बी0ए0, बी0सी0ए0 एवं बी0काम0 पाठयक्रमों का संचालन किया जा रहा है ।

महाविद्यालय युवाओं में स्वतन्त्र विचार करने की क्षमता विकसित करने, विपरीत परिस्थितियों और चुनौतियों का सामना करने, उपलब्ध अवसरों को अनुकूल बनाने, राष्ट्र समाज व परिवार के प्रति उत्तरदायित्व के निर्वहन हेतु सक्षम एवं आत्म निर्भर बनाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है । अनुशासित जीवन, सभी को सम्मान, सेवा, सहयोग व सदाचार का ध्येय लेकर महाविद्यालय इस दिशा में सतत् प्रयासरत् है ।

'वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में महात्मा गान्धी के चिन्तन की प्रासंगिकता'–एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

सम्पूर्ण भारत राष्ट्र इस वर्ष महात्मा गान्धी जी की 150 वीं जयंती को उनके सन्देश, विचार और आदर्शों को पुनः प्रचारित–प्रसारित करने के लिए मना रहा है। महात्मा गान्धी जी का जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को गुजरात के पोरबंदर नामक स्थान में हुआ था।

भारतीय स्वाधीनता के संघर्ष में उनका अतुलनीय योगदान रहा है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलनों में उनकी भूमिका एवं उनके योगदान तथा भारतीय जन–मानस के मन–मस्तिष्क पर उनके प्रभाव का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि भारतीय राजनीति में उनके प्रवेश से लेकर जीवन के अंतिम पढ़ाव तक के समय को भारतीय राजनीति में गान्धी युग के नाम से जाना जाता है। राष्ट्र पिता, जननायक, राष्ट्रनायक , युगपुरुष, महान आत्मा जैसे अनेक सम्बोधनों से उन्हें सम्बोधित किया जाता रहा है। उन्होंने अपने विचारों एवं कार्यों से अंग्रेजों की गुलामी में पड़े भारतीयों को मात्र स्वतंत्रता हेतु ही नहीं प्रेरित किया अपितु भारतीय समाज को बदलते हुए वैश्विक परिदृश्य के अनुसार स्वयं को सुनियोजित–संगठित करते हुए नवीन स्वतंत्र भारत की आधार शिला रखी।

उन्होंने समाज की प्रत्येक व्यवस्था – शिक्षा , स्वास्थ्य , सदाचार, स्वावलम्बन, समानता, धार्मिक सद्भाव, आपसी भाईचारा, स्वतंत्रता, सत्य, अहिंसा आदि पर अपने सारगर्भित विचार दिए और उनको वास्तविक धरातल पर उतारने के लिए उस पर सच्चे मन और समर्पित भाव से कार्य किया।

गांधीवादी विचारों ने सदैव देश का मार्गदर्शन किया है। उनकी 150 वीं जयंती मात्र उत्सव मनाने के लिए नहीं है बल्कि उनके सिद्धांतो, आदर्शों और विचारों को अपने व्यक्तिगत जीवन के प्रत्येक पक्ष में उतारने का भी है।

हमारे महाविद्यालय मॉडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज़ ने इस अवसर पर गांधीजी के वैचारिक चिंतन एवं वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में उसकी प्रासंगिकता पर चर्चा करने के लिए एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने की योजना तैयार की है जिसका शीर्षक है – **'वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में महात्मा गान्धी के चिन्तन की प्रासंगिकता ।'**

उपशीर्षक

1 महात्मा गान्धी का सामाजिक चिन्तन
2 महात्मा गान्धी का राजनीतिक चिन्तन
3 महात्मा गान्धी और भारतीय शिक्षा प्रणाली
4 महात्मा गान्धी की शिक्षा नीति
5 महात्मा गान्धी और शिक्षा में नैतिक मूल्य
6 महात्मा गान्धी और शिक्षा, संस्कृति एवं भारतीय भाषाएँ
7 महात्मा गान्धी का सांस्कृतिक चिन्तन
8 महात्मा गान्धी की अहिंसावादी विचारधारा
9 महात्मा गान्धी की रामराज्य की परिकल्पना
10 महात्मा गान्धी की भाषा नीति
11 महात्मा गान्धी का साहित्य पर प्रभाव
12 महात्मा गान्धी और राष्ट्रीय आंदोलन
13 महात्मा गान्धी का स्वदेशी चिन्तन
14 महात्मा गान्धी के सर्वोदय एवं ग्राम विकास सम्बन्धी विचार
15 महात्मा गान्धी के उद्यमिता सम्बन्धी विचार
16 महात्मा गान्धी के ट्रस्टीशिप सम्बन्धी विचार
17 महात्मा गान्धी और भारतीय सिनेमा
18 डिजिटल माध्यम और महात्मा गान्धी के चिन्तन का प्रसार

शोध पत्र सारांश एवं शोध पत्रों का प्रेषण

प्रस्तावित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता हेतु प्राध्यापकगण, विद्वतजन,शोध छात्र/छात्रा सादर आमंत्रित है। शोध पत्र सारांश लगभग 200 से 250 शब्दों तक हिन्दी भाषा में (Kruti Dev 010 Font Size 14 MS Word) में एवं अग्रेजी भाषा मे (Times New Roman, Font Size 12 MS Word) दिनाँक 03 अप्रैल 2020 तक प्रेषित कर सकते है एवं पूर्ण शोध पत्र (2500 से 3000 शब्दो में) दिनाँक 10 अप्रैल 2020 तक प्रेषित कर सकते है । शोध पत्र एवं सारांश मे शीर्षक, लेखक का पूर्ण विवरण एवं सन्दर्भ आदि निहित होना चाहिए । शोध पत्र एवं शोध सारांश प्रेषित करने हेतु ई–मेल आईडी0 seminars@moderncollege.org

विशेष सूचना –

1. प्रस्तुत किये गये तीन सर्वश्रेष्ठ शोध पत्रों को सम्मानित किया जायेगा।
2. प्रथम दस श्रेष्ठ शोध पत्रों को अंतर्राष्ट्रीय पीर–रिव्यूड/रिफरीड शोध पत्रिका (ISSN 2350-1456) में प्रकाशित किया जायेगा।
3. आये हुए शोध पत्रों को अतिरिक्त देय शुल्क पर ISBN युक्त पुस्तक का रूप देने का प्रस्ताव है।

पंजीकरण शुल्क विवरण

प्राध्यापक, शिक्षाविद्–	600/–
शोध छात्र–	400/–
छात्र/छात्रा–	300/–

पंजीकरण शुल्क आनलाइन निम्नांकित बैंक खाते में जमा किया जा सकता है –

बैंक का नाम – **Oriental Bank of Commerce**
शाखा– **Karehra, Mohan Nagar Ghaziabad**
खाता संख्या – **02721131003026**
IFSC – **ORBC0100272**

नोटः–

सभी प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वह अपने साथ अपने शोध पत्र की हार्ड कॉपी अवश्य लायें एवं महाविद्यालय में जमा करें ।

इच्छुक प्रतिभागी महाविद्यालय परिसर में तत्काल पंजीकरण करा सकते हैं।

प्रतिभागियों को यात्रा व्यय स्वयं वहन करना होगा।

प्रतिभागी आवासीय सुविधा अपने स्तर पर सुनिश्चित करें। पूर्व सूचना पर आयोजक आवास की व्यवस्था कर सकते हैं, जिसका भुगतान प्रतिभागी स्वयं करेगा।

सम्पर्क सूत्र

डॉ0 धीरज सिंह 9711149575 / 9450742853
डॉ0 रेखा शर्मा 9818818020
डॉ0 किरन जोशी 9971092400